

राजस्थान के उच्च न्यायालय

जयपुर

मुकदमा नम्बर

वादी 34/18

श्री. अशोक भैया लाल पुत्र बाबू राम जाति भाली
सि. 229 से श्री. अशोक भैया लाल

बनाम तहसीलदार किशनगढ़ रेनवाल (प्रतिवादी)

दावा दुरस्ती इन्द्राज अन्तर्गत धारा 88,89

निर्णय

उपरोक्त उनवानी वादी की ओर से प्रस्तुत कर निवेदन किया है कि वादी का वाद निम्न

प्रकार है: 229 से श्री. अशोक भैया लाल

ग्राम जयपुर पटवार हल्का जयपुर तहसील किशनगढ़

के आराजी खसरा नम्बर

85/1, 85/2

में वादी का नाम व विवरण

श्री. अशोक भैया लाल पुत्र बाबू जाति भाली

के स्थान पर

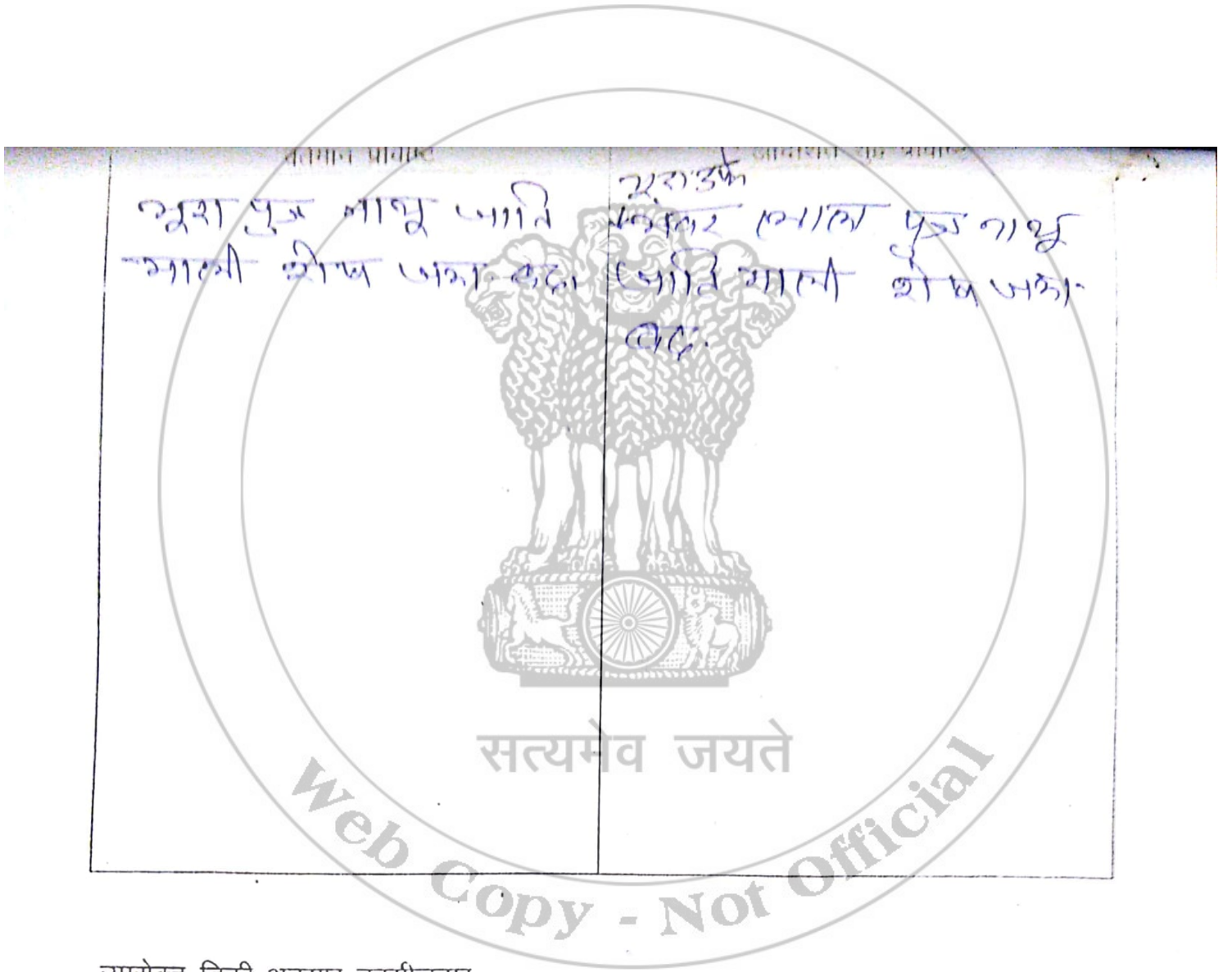
श्री. अशोक भैया लाल पुत्र बाबू जाति भाली

पर दुरस्त किया जावे।

उपरोक्त वाद के संबंध में वादी द्वारा प्रस्तुत शपथ पत्र दस्तावेजों के अवलोकन करने तथा रिपोर्ट पटवारी/भू.अ.नि./तहसीलदार की अभिज्ञता के आधार पर एवं कम्य कोर्ट में मजमेंआम में जांच की जाने पर उक्त दुरस्ती से किसी सहखातेदार का हित प्रभावित नहीं होने से वादी का वाद डिकी किया जाना उचित है।

सत्यमेव जयते

Web Copy - Not Official



उपरोक्त डिकी अनुसार तहसीलदार
को राजस्व रिकार्ड में अमल दरावद हेतू लिखा जावें।

09/11/18
सहायक कलेक्टर
सांभर-लेक

सहायक कलेक्टर/ उपखण्ड मजिस्ट्रेट,
सांभर-लेक (जयपुर)